6-7-23 पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष के अधिवक्ता उपस्थित। अप्रार्थी संख्या 1; 11, 14, 21 से 23 बावजूद तामील हाजिर नहीं। बार-2 आवाज लगाने पर भी हाजिर अदालत स्वयं या इनकी ओर से कोई अधिवक्ता के उपस्थित नहीं होने से इनके विरुद्ध कार्यवाही एकतरफा की जाती है। अप्रार्थी संख्या 2 लगायत 10, 12, 13, 15 लगायत 20 के अधिवक्ता उपस्थित जो कोई जवाब पेश नहीं करना चाहते हैं। वकील प्रार्थी एवं अप्रार्थी ने उपस्थित होकर निवेदन किया कि हम दोनों पक्ष रिकॉर्ड व मौके की यथास्थिति

Signature Not Verified

Digitally signed by Hukmichand Rohalaniya
Date: 2024.02.02 15:53:19 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहलकार हुक्म में

तारीख हुक्म

तार्फसला वाद बनाए रखने हेतु सहमत है।

हमने दोनों पक्षों को सुना। पत्रावली में प्रस्तुत नकल जमाबन्दी ग्राम भगवानपुरा त० माण्डल सम्वत् 2075 से 78 के खाता संख्या 873 में दर्ज आ० न० 4228-4231-4234-4257-4258-4283 कुल कीता 6 कुल रकबा 1.9855 हैक्टर अप्रार्थी सं० 2 से 13 के नाम एवं खाता सं० 1501 में दर्ज आराजी नं० 4233 रकबा 0.0379 हैक्टर अप्रार्थी सं० 5 से 21 के नाम पर संयुक्त खातेदारी से दर्ज है।

उपर वर्णित आराजीयात प्रार्थीया की पुश्तैनी होकर अपने पिता लक्ष्मणनाथ पिता लालूनाथ की 1/2 हिस्से से संयुक्त खातेदारी से अन्य सह खातेदारों के साथ नकल जमाबन्दी सम्वत् 2055 से 58 के खाता संख्या 245 में दर्ज थी। खातेदार लक्ष्मणनाथ के फौत हो जाने पर सम्पूर्ण आराजीयात नामान्तरकरण संख्या 2544 दिनांक 4-12-2001 से जेठी पत्नि लक्ष्मणनाथ 1/2 से खाते में दर्ज हो गई जबकि प्रार्थीया स्वर्गीय लक्ष्मणनाथ की जाइन्दा पुत्री है। अप्रार्थी संख्या 01 ने सम्पूर्ण आराजीयात व चाट की आ० न० 4233 में अपने सम्पूर्ण 1/2 हिस्से को अप्रार्थी सं० 2 लगायत 21 को विक्रय कर दी जाने से राजस्व रिकॉर्ड में अप्रार्थीगण के नाम दर्ज हो चुकी है जबकि प्रार्थीया का खाता संख्या 873 में दर्ज आराजीयात में 1/4 व खाता सं० 1501 की आराजी में 1/8 हक हिस्सा निहित है। सम्पूर्ण वर्णित आराजीयात का विक्रय होकर अप्रार्थीगण के नाम पर दर्ज हो चुकी है उस वाद के निस्तारण तक दोनों पक्ष रिकॉर्ड की यथास्थिति एवं मौके की यथास्थिति कायम रखने हेतु सहमत है। चूंकि वाद

Signature Not Verified
Digitally signed by Hukmichand Rohalaniya
Date: 2024.02.02 16:53:19 IST
Reason: SelfAttested

प्रार्थना पत्र संख्या 51/2023 (धारा 212 R.T.A.)

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	विचाराधीन है। अतः प्रार्थीया का प्रार्थना पत्र वाद के निस्तारण तक रिकॉर्ड एवं मौके की यथास्थिति कायम रखने की शर्त के साथ निस्तारित किया जाता है। आदेश लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। उपखण्ड अधिकारी मांडल जिला भीलवाड़ा	

Signature Not Verified

Digitally signed by Hukmichand Rohalaniya
Date: 2024.02.02 15:53:19 IST
Reason: SelfAttested